

प्रेषक,
अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,
निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

24
देहरादून: दिनांक अगस्त, 2006

विषय: ब्राइट एण्ड कार्नर, अल्मोड़ा में स्वामी विवेकानन्द जी की मूर्ति स्थापना एवं पार्क के निर्माण
विषयक।

महोदय,

उपयुक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1431/ सं0नि0उ0/ दो-72/ 2005-06, दिनांक 18 फरवरी, 2006 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जिलाधिकारी, अल्मोड़ा के पत्र संख्या-3073/बत्तीस-1/05-06 दिनांक 19 जनवरी, 2006 द्वारा ब्राइट एण्ड कार्नर, अल्मोड़ा में स्वामी विवेकानन्द जी की मूर्ति स्थापना हेतु उपलब्ध कराए गये आगणन के तकनीकी परीक्षणोंपरान्त औचित्यपूर्ण धनराशि रु0 13.20 लाख (रुपये तेरह लाख बीस हजार मात्र) के आगणन पर वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुये उक्त धनराशि की निम्नलिखित शर्तों के अधीन व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- 1- उक्त स्वीकृत धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों के लिये यह स्वीकृत किया जा रहा हो। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैन्युअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा। ऐसा व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में नित्यव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय नित्यव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।
- 2- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक है।
- 3- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/ मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय एवं सामग्री काय करने से पूर्व स्टोर पर्यज नियमों का पालन कराना सुनिश्चित करें।
- 4- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना की स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 5- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।
- 6- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना।
- 7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का मलौ भौति निरीक्षण उच्च अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जायें।
- 8- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी हो, उसी मद पर व्यय किया जाय एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 9- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

10- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-आयोजनागत-102- कला एवं संस्कृति का सम्बर्द्धन-10-महान विभूतियों की मूर्ति स्थापना-1091- जिला योजना-25- लघु निर्माण कार्य मद के नामें डाला जायेगा।

11- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 पत्र संख्या-110/वित्त अनुभाग-3/2006, दिनांक 02 अगस्त, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या-1114 VI-I/2006, तददिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 3- आयुक्त, कुमाऊ मण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, अल्मोड़ा।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 7- एन0आई0सी0, देहरादून सचिवालय।
- 8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(एस0एस0वल्लिया)
उप सचिव